इसे वेबसाईट **www.govtpressmp.nic.in** से भी डाउन लोड किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 488] भोपाल, शनिवार, दिनांक 26 अक्टूबर 2013—कार्तिक 4, शक 1935

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

कृतज्ञता प्रस्ताव

भोपाल, दिनांक 26 अक्टूबर 2013

क्र. एफ-19-60-2013-एक-4.—मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव के पद पर श्री आर. परशुराम का कार्यकाल कीर्तिमान स्थापित करने वाली उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा. लोककल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता एवं संकल्प को प्रशासनिक प्राथमिकताओं में तब्दील करने की चुनौती को उन्होंने अंगीकार कर प्रशासनिक तंत्र को ऊर्जावान एवं कुशल नेतृत्व प्रदान किया. परिणामत: प्रदेश में जहां अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं, परियोजनाएं, अभियान एवं कार्यक्रम साकार रूप ले सकें, वही प्रदेश में अमन चैन बरकरार रहा.

2. शासकीय लक्ष्यों को प्रभावी रूप से समय पर हासिल करने के लिए उनके द्वारा की गई पहल एवं अन्तर्विभागीय समन्वय के फलस्वरूप शासन के अनेक विभागों के सुशासन एवं सामाजिक सरोकार के उपक्रमों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यताओं एवं पुरस्कारों से प्रदेश का गौरव बढ़ा.

3. प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के मध्य समन्वय व हितग्राहियों को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं समय-सीमा में उपलब्ध कराने के लिए समग्र सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम को प्रदेशव्यापी पैमाने पर प्रारंभ करवाया. लोक सेवा प्रबंधन को सुदृढ़ एवं प्रभावी तथा सेवाओं में विस्तार कर सुशासन के नए आयाम जोड़े. कौशल विकास के जरिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि, प्रदेश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नगर विकास, सड़क संयोजकता, सिंचाई एवं आपदा प्रबंधन आदि में भी उनके अविस्मरणीय योगदान से प्रदेश लाभान्वित हुआ.

4. जटिल मामलों को विमर्श एवं संवाद के जरिए सरल, त्वरित, न्यायसंगत समाधान देने की विलक्षण प्रतिभा तथा उनकी सरलता, सहजता और लोकहितैषी व समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से मंत्रि-परिषद् अभिभूत है.

5. मंत्रि-परिषद् श्री आर. परशुराम के सेवाकाल की हार्दिक प्रशंसा करते हुए प्रशासनिक क्षेत्र के इस कर्मयोगी साधक को उनके सुदीर्घ एवं सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करती है और आशा करती है कि वे अपने भावी जीवन में भी उपलब्धियों की गौरवपूर्ण परम्परा को कायम रखेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

के. सुरेश, प्रमुख सचिव.

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2013.